राज्यपाल सचिवालय
लोकभवन, राजस्थान

जीजीटीयू में 'नशा मुक्त वागड़, स्वस्थ युवा, सशक्त जनजाति एवं विकसित भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

राज्यपाल ने नशा मुक्त भारत बनाने का आह्वान किया

जयपुर/बांसवाड़ा 7 अगस्त। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में आयोजित 'नशा मुक्त वागड़, स्वस्थ युवा, सशक्त जनजाति एवं विकसित भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी से नशा मुक्त भारत बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं को कमजोर बनाने के लिए नशा बेचा जाता है इसलिए नशा करने वालों से समझाइश करें एवं जो लोग नशे का धंधा करते हैं उनकी सूचना पुलिस को दे। उन्होंने कहा कि नशा कर वाहन चलाने से कई युवाओं की मृत्यु हो जाती है और उसके बाद उनके परिवारों का जीवन परेशानी भरा हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार का टीबी मुक्त कार्यक्रम भी चल रहा है इसलिए अपने आस पड़ोस में ईलाज से वंचित कोई टीबी का मरीज हो तो उसके इलाज में मदद करें।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर है। यहां विद्यार्थी देवी–देवता और अध्यापक पुजारी है। गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय जनजाति का विश्वविद्यालय है यहां अधिक से अधिक संख्या में जनजाति वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक अच्छी शिक्षा प्राप्त नहीं करेंगे गरीबी दूर नहीं होगी। गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शिक्षा प्राप्त कर यदि एक पीढ़ी के जीवन में बदलाव आता है तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य अपने आप सँवर जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा अति आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षाविदों से प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों के बौद्धिक क्षमता के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सार्थक बनाना है। इसके लिए बौद्धिक क्षमता, संयम, सहनशीलता, नैतिकता व सभ्यता के विकास पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना सद्गुणों के शिक्षा किसी काम की नहीं है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में वित्तीय गड़बड़ी करने वाले कुलगुरुओं को निलंबित किया गया है जो राजस्थान के इतिहास में पहली बार हुआ है। स्वतंत्रता संग्राम में गोविंद गुरु के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु ने भील और बंजारा समाज के लोगों को इकट्ठा कर अंग्रेजों के विरुद्ध बड़ी ताकत खड़ी की और स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण संघर्ष किया।

इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय में खेजड़ी का पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि खेजड़ी राज्य वृक्ष है। लोकभवन के स्तर पर इसे लगाने और संरक्षण के लिए पत्र भेजा है।

———